RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-25 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 11 जुलाई से 17 जुलाई 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

आसमानी आफत के सामने बेबस इंसान-

दिल्ली में अधिकारियों ने यमुना के बढ़ते जल स्तर पर चेतावनी दी है. यहां 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई है. यह तस्वीर साइबर सिटी गुरुग्राम की है. यहां एक शख्स की कार सुभाष चौक पर भरे पानी में फंस गई. इसके बाद वह किसी तरह कार से निकलकर उसके ऊपर जा बैठा और काफी देर तक अपने परिचितों को फोन करता रहा.

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से कई ऐसे मंजर सामने आए हैं. जहां इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढहती नजर आईं. बारिश के कहर का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब तक उत्तर भारत में बाढ़-बारिश के चलते 26 लोगों की मौत हो चुकी है. तस्वीर में हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के नागवाई गांव में ब्यास नदी के किनारे फंसे नागरिकों को रेस्क्यू करती हृष्ठक्र्न की 14वीं बटालियन

दिल्ली की बात की जाए तो मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के मुताबिक राजधानी में रविवार सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटों में दिल्ली में 153 मिमी बारिश हुई, वहीं हरियाणा के चंडीगढ़ और अंबाला में क्रमशः 322.2 मिमी और 224.1 मिमी की रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई. इस बारिश से इंसानों के साथ-साथ जानवर भी परेशान हैं. तस्वीर दिल्ली के यमुना बाजार की है, जहां सड़कों में पानी भर जाने के कारण एक स्ट्रे डॉग फुटपाथ पर खड़ा है.

यमुना नदी में पानी का बहाव काफी तेज है, आने वाले एक से दो दिनों में यमुना खतरे के निशान से ऊपर होगी. ऐसे में दिल्ली के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. फोटो में दिल्ली के तिलक ब्रिज (आईटीओ) के पास मानसून की बारिश के बाद जलजमाव से गुजरती बस.

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 370 पर फास्ट ट्रैक की सुनवाई, 2 अगस्त से डे-टू-डे होगी सुनवाई

केंद्र सरकार की ओर ये सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से आर्टिकल-370 हटने के बाद कश्मीर के हालात में कितना बदलाव आया है, उसको लेकर जानकारी दी।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दो अगस्त से रोजाना सुनवाई करेगा. प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कई प्रक्रियागत निर्देश पारित करते हुए विभिन्न पक्षों द्वारा लिखित प्रतिवेदन और अन्य लिखित दलीलें देने की समय सीमा 27 जुलाई तय की।

केंद्र सरकार के जम्मू-कश्मीर के हालात को लेकर दाखिल नए हलफनामे को लेकर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई नहीं करेगा. सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा कि वो सिर्फ संवैधानिक मुद्दे पर सुनवाइ करेगा. केंद्र के नए हलफनामे का इस मामले में कोई प्रभाव नहीं है. सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सभी पक्षकारों से अपना जवाब देने के लिए कहा है. केंद्र सरकार की ओर ये सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से आर्टिकल-370 हटने के बाद कश्मीर के हालात में कितना बदलाव आया है, उसको लेकर जानकारी दी. जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि ये पूरी तरह संवैधानिक मसला है।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 27 जुलाई तक सभी पक्षकारों को जवाब दाखिल करने को कहा है. इलेक्ट्रॉनिक मोड में दाखिल सबमिशन देने के आदेश दिये गए हैं. इसके बाद अनुच्छेद 370 पर सुनवाई फास्ट ट्रैक मोड में 2 अगस्त से डे-टू-डे यानी हफ्ते में तीन दिन मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को होगी।

याचिकाकर्ताओं आईएएस अधिकारी शाह फैसल और एक्टिविस्ट शेहला रशीद ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ये याचिका वापस ली। सुप्रीम कोर्ट ने सहमति व्यक्त की और याचिकाकर्ताओं के रूप में उनके नाम हटा दिए. याचिकाओं में सबसे पहले किसका नाम हो इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता ने शिकायत की।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल को इंदौर के सबसे स्वच्छ अस्पताल का अवार्ड

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के नगर निगम ने कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल को शहर के सबसे स्वच्छ अस्पताल के अवार्ड से सम्मानित किया है। शहर के रवींद्र नाट्यगृह में एक कार्यक्रम के दौरान इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के सौमिल भट्ट को यह पुरस्कार प्रदान किया। 6 बार से देश के सबसे स्वच्छ शहर रहने वाले इंदौर में सबसे स्वच्छ अस्पताल का अवार्ड पाना एक बड़ी उपलब्धि है। अस्पतालब प्रबंधन के अधिकारियों के मुताबिक यहां सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों के साथ स्वास्थ्य सुविधाएं उलब्ध कराई जाती है।

लाड़ली बहना योजना

सीएम ने कहा- हर माह 10 तारीख का दिन आपके स्वाभिमान, शान का दिन होगा

लाड़ली बहना योजना के कार्यक्रम में सोमवार को बहनों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को 101 फीट लंबी राखी भेंट की। मुख्यमंत्री रोड शो के माध्यम से कार्यक्रम स्थल गांधीनगर चौराहे तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा सरकार का फोकस महिला उत्थान पर है। हर माह 10 तारीख का दिन आपके स्वाभिमान, शान का दिन होगा। यह पैसा नहीं है, आपको आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने की शुरुआत है।

रोड शो में बहनों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से सशक्तता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रशासन ने 1 लाख बहनों का दावा किया था। बारिश को देखते हुए इससे कम बहनें कार्यक्रम में पहुंचीं। कार्यक्रम में 23 दिव्यांग और 2 निराश्रित महिलाओं को वाहन भेंट किए गए। इस मौके पर मंत्री उषा ठाकुर, मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आईडीए अध्यक्ष जयपालसिंह चावड़ा, गौरव रणदिवे मौजूद रहे।

25 - महिलाओं को वाहन भेंट किए गए

2400 - बसों से बहनें पहुंची थीं कार्यक्रम

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में हिंसा के बाद आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू

पश्चिम बंगाल में राजनीति और हिंसा इस कदर एक-दूसरे से नालबद्ध हो चुके हैं कि वहां कोई मामूली चुनाव भी बिना मारपीट, गोलीबारी, हत्या के संपन्न नहीं हो पाता। वहां के पंचायत चुनावों में मतदान के दिन बड़े पैमाने पर हुई हिंसा इसका ताजा उदाहरण है। जब चुनाव की तारीख घोषित और नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई थी, तभी से हिंसा का सिलसिला शुरू हो गया था।

संपादक-
गोपाल गावंडे

इन चुनावों में बड़े पैमाने पर हिंसा की आशंका जताई जा रही थी, जिसके मद्देनजर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया गया। केंद्रीय बलों की तैनाती का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे लेकर वहां के उच्च न्यायालय में भी मामला गया था। आखिरकार उच्च न्यायालय ने केंद्रीय बलों की तैनाती को मंजूरी दे दी थी। इसके तहत राज्य इकाई के सत्तर हजार सुरक्षा कर्मी और केंद्रीय बलों की छह सौ कंपनियां तैनात की गई थीं।

इसके बावजूद इतने बड़े पैमाने पर हिंसा हो गई, जिसमें बारह से अधिक लोग मारे गए और बहुत सारे घायल हो गए। अब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। यह चुनाव नतीजे आने के बाद भी चलता रहेगा। निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि उसने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए कि इस तरह की हिंसक घटनाएं हो गईं।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा एक सतत प्रक्रिया बन चुकी है। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच लगातार दलगत संघर्ष देखा जाता है। चुनावों के वक्त वह सतह पर आ जाता है और वे बदले की भावना से एक दूसरे पर जानलेवा हमले करने से परहेज नहीं करते। एक चुनाव की वैमनस्यता दूसरे चुनाव तक बनी रहती है।

विधानसभा चुनाव की वैमनस्यता पंचायत चुनाव में और पंचायत चुनाव की वैमनस्यता लोकसभा चुनाव में प्रकट होती रहती है। हालांकि यह प्रवृत्ति इसी सरकार के समय की नहीं है। जब वहां वाम दलों की सरकार थी, तब भी ऐसी हिंसक घटनाएं होती थीं। मगर इस आधार पर मौजूदा सरकार की कानून-व्यवस्था संबंधी खामियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

वाम दलों की करीब तीस सालों की सतत सत्ता के बावजूद वहां न लोगों के जीवन स्तर में कोई उल्लेखनीय सुधार नजर आया, न कानून-व्यवस्था भरोसेमंद हो पाई, तब लोगों ने सत्ता परिवर्तन का मन बनाया था और उम्मीद की जा रही थी कि ममता बनर्जी उन अपेक्षाओं पर खरी उतरेंगी। मगर निराश करने वाली बात है कि कानून-व्यवस्था में कोई सुधार नजर नहीं आया।

ममता बनर्जी ने भी राजनीतिक हिंसा की परिपाटी को उसी तरह पोसा है, जिस तरह वाम दलों ने पोसा था। वे अपने कार्यकर्ताओं की आपराधिक गतिविधियों के बचाव में खुद थाने में जाती देखी गई हैं। इससे स्पष्ट संकेत गया कि पुलिस प्रशासन सत्तापक्ष के कार्यकर्ताओं की बेजा हरकतों को नजरअंदाज करे।

पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भी इसीलिए बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी कि सत्तापक्ष के कार्यकर्ताओं को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त था। अब पश्चिम बंगाल में स्थिति यह है कि प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल भी अपने कार्यकर्ताओं को इसी तरह तैयार करते हैं। हिंसा के बल पर अगर मतदाताओं को अपने पक्ष में करके चुनाव जीत भी लिया जाए, तो आखिर लोकतंत्र कहां बचा रहता है। यह समझ से परे है कि जब सत्ताधारी दल खुद अपने कार्यकर्ताओं को लोकतांत्रिक तरीके से मतदान कराने का पाठ नहीं पढ़ा सकता, तो उससे दूसरे दलों के उपद्रवियों पर काबू पाने की कितनी उम्मीद की जा सकती है।

राजनीति

'गुगली मास्टर' नहीं 'विक्टिम' हैं शरद पवार, BJP की रणनीति ने विपक्षी एकता को पहुंचाई बड़ी चोट

एक जमाने का गुगली मास्टर अब एक विक्टिम है। विक्टिम उस सियासत का जहां पर पद की महत्वाकांक्षा ने पार्टी में ही दो फाड़ करवा दी है, कई सालों बाद महाराष्ट्र में खिसकती सियासत का अहसास करवा दिया है।

शरद पवार की 50 साल से ज्यादा लंबी सियासत है, राजनीति का हर दांव-पेच उन्हें बखूबी आता है। तभी तो कई मौकों पर बड़े खेल 'साहेब' ने करके दिखाए हैं। लेकिन अब समय बदल गया है। एक जमाने का गुगली मास्टर अब एक विक्टिम है। विक्टिम उस सियासत का जहां पर पद की महत्वाकांक्षा ने पार्टी में ही दो फाड़ करवा दी है, कई सालों बाद महाराष्ट्र में खिसकती सियासत का अहसास करवा दिया है।

एनसीपी में दो फाड़ और बीजेपी की रणनीति

माना जा रहा है कि पटना में जिस विपक्षी एकता की पहली नींव रखी गई थी, शरद पवार के साथ हुए इस सियासी खेले ने जमीन पर सबकुछ बदल दिया है। आलम ये है कि अजित के एक दांव ने बीजेपी की नई रणनीति एकदम साफ कर दी है। क्षेत्रीय पार्टियों को तोड़ना, उन्हें अपने पाले में लाना और एनडीए को फिर मजबूती प्रदान करना। इस समय इसी मिशन के साथ बीजेपी 2024 के लिए आगे बढ़ रही है।

वैसे भी जिस तरह से पहले शिवसेना में दो फाड़ की गई, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि बीजेपी हर कीमत पर खुद को 2024 से पहले फिर मजबूत करना चाहती है। अटकलें तो ये भी हैं कि बिहार में कुछ खेल हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि खबर है कि नीतीश आने वाले समय में तेजस्वी को बिहार का मुख्यमंत्री बनवा सकते हैं। इस डील से जेडीयू के ही कुछ नेता खुशन हीं हैं। ऐसे में बीजेपी वहां भी उस नाराजगी का फायदा उठा सकती है। बीजेपी के एक नेता ने तो यहां तक कह दिया है कि अगर घी टेढ़ी उंगली से भी ना निकले तो डिब्बे में ही छेद कर देना चाहिए। यानी कि पार्टी एक तरफ विपक्ष को एकजुट होने से रोक रही है तो वहीं दूसरी तरफ अपने कुनबे को बढ़ा करने का प्रयास कर रही है।

पवार के मन में क्या चल रहा है?

अब बीजेपी तो पूरी तरह तैयार दिख रही है, लेकिन शरद पवार का खेल अभी भी ठीक तरह से नहीं समझा जा सकता है। सवाल कई उठ रहे हैं, लेकिन जवाब अभी स्पष्ट नहीं। ये लाजिमी सवाल है कि क्या शरद पवार ने खुद भी पार्टी में दो फाड़ होने दी? ऐसा इसलिए क्योंकि ये बात किसी से नहीं छिपी कि पवार, अपनी बेटी सुप्रिया सुले को आगे करना चाहते थे, ऐसे में अजित को हटा रास्ता साफ हो रहा है। बड़ी बात ये भी है कि अजित पवार का एनसीपी में दो फाड़ करना किसी को भी हैरान नहीं किया है। इसका कारण ये है कि अजित का वो दांव आना तय था, बस कब, सवाल ये था।

शरद पवार ने जो इस्तीफे वाला दांव चला था, जानकार मानते हैं वो भी अजित का टेस्ट लेने के लिए था। उन पर ईडी के मामले थे, सीएम बनने की चाह थी, ऐसे में वे पाला बदल सकते थे। अब तो ऐसा हो भी चुका है, लेकिन विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया है कि शरद पवार को गुगली मास्टर नहीं माना जा सकता, वे वर्तमान स्थिति में पीड़ित ज्यादा दिखाई पड़ते हैं।

सडक़ हादसे में दो युवकों की मौत

इंदौर। तेजाजी नगर इलाके में एक सडक़ हादसे में दो रिश्तेदारों की मौत हो गई। दोनों काम से लौटने के बाद घूमने निकले। इसके बाद रात में घर जाने के दौरान बायपास पर वह हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने दोनों के शव को एमवाय अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस अज्ञात वाहन से एक्सीडेंट के मामले में भी जांच कर रही है।

तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक शाहरुख पिता असलम खान (26) निवासी दतोदा सिमरोल अपने रिश्तेदार आरिफ पिता मुकीम खान (24) के साथ बाइक से रविवार रात करीब 12 बजे घर जा रहे था। उमरीखेड़ा के यहां दोनों हादसे का शिकार हो गए। दोनों को गंभीर हालत में एंबुलेस से एमवाय अस्पताल भेजा गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रिश्तेदारों ने बताया कि दोनों मजदूरी के काम से जुड़े हुए हैं। शाहरुख की दो साल पहले ही शादी हुई है। उसकी एक छोटी बच्ची है। वहीं एक छोटा भाई है। आरिफ के परिवार में दो भाई और माता-पिता हैं। उसकी शादी नहीं हुई। अस्पताल से परिवार के लोगों को हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिवार सीधे रात में यहीं पहुंचा था।

महिला से ठगी, मंदिर में झांसा देकर सोने की चूड़ियां ले भागा बदमाश

इंदौर। एक महिला के साथ ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी मंदिर में दर्शन कर रही महिला के पास गुप्त दान के लिये पहुंचा था। इस दौरान उसने महिला से सोना दान करने की बात कही। महिला को बातों में लेकर उसने जेवर उतरवाए। इसके बाद भगवान के ऊपर चढ़ाने के बाद वह भागने लगा। महिला ने उसे पकड़ने की भी कोशिश की। लेकिन वह धक्का मारकर फरार हो गया।

बाणगंगा पुलिस के मुताबिक शोभा कसेरा निवासी भौंरासला इलाके के शिव मंदिर पूजा करने पहुंची। तभी बाइक से वहां एक बदमाश आया। उसने कहा कि उसका कोई काम अटक रहा है। उसे मंदिर में गुप्त दान करना है। पैसों के साथ सोने का दान करके भगवान को चढ़ाना है। उसके पास पैसे हैं। लेकिन सोना नहीं है। इस दौरान शोभा से कहा कि उसने हाथ में दो सोने की चूड़ियां पहनी है। वह थोड़ी देर के लिये दे दे। वह भगवान को इसे चढ़ा दें इसके बाद वापस ले लेना। इसके बाद शोभा ने दोनो चूड़ियां उतारकर बाइक से आए युवक के हाथ में दे दी।

लोडिंग वाहन ने ली जान

इन्दौर । एमआईजी थाना क्षेत्र में सर्विस रोड पर टाटा लोडिंग वाहन ने अज्ञात व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए पहुंचाया। वहीं मामले में मर्ग कायम कर लोडिंग वाहन चालक पर केस दर्ज किया है। फिलहाल हादसे में मृत व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

घायल महिला ने तोड़ा दम

इन्दौर । नौकरी से घर लौट रही महिला को बुलेट सवार ने टक्कर मार दी। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। मामला द्वारकापुरी थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार मृतिका का नाम उमा पति सुभाष निवासी कुंदन नगर है। सप्ताह भर पहले वह हादसे का शिकार हो गई थी। उमा निजी कंपनी में कार्यरत थी, जब वह घर लौट रही थी तभी बुलेट सवार ने टक्कर उसे मार दी थी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इलाज के लिए उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां कल उसने दम तोड़ दिया।

जन्मदिन मना रहे युवकों को पीटा

इन्दौर। कनाडिया इलाके में सडक़ पर जन्मदिन मना रहे युवकों से कार सवार आरोपियों ने मारपीट कर दी। घटना संपत पैलेस के गेट के सामने सर्विस रोड की है। फरियादी हितेश पांडे निवासी मूसाखेड़ी की रिपोर्ट पर आरोपी अभिनंदन और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है । हितेश ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों के साथ मौके पर केक काट रहा था। तभी आरोपियों ने उन्हें अपशब्द कहना शुरू कर दिया । अब आरोपी कार में सवार थे थोड़ी ही देर में वह फिर लौटे और आकर डंडो से हमला कर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले।

गर्म दूध से झुलसी बच्ची की मौत

12 घंटे तक जिंदगी और मौत से सघंर्ष करती रही मासूम

इंदौर। बाणगंगा में रहने वाली एक बच्ची रविवार को गर्म दूध से जल गई। उसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 12 घंटे तक चले उपचार के दौरान वह जिंदगी और मौत से संघर्ष करती रही और आखिरकार यहां उसकी मौत हो गई। हादसे के समय बच्ची खेल रही थी। जिसने गर्म दूध की तपेली अपने ऊपर उड़ेल ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

पुलिस के मुताबिक घटना गोविंद नगर की है। नविष्का (3) पुत्री रवि साहू की रविवार रात एमवाय अस्पताल में मौत हो गई। सोमवार को बच्ची का अस्पताल में पोस्टमार्टम हुआ। नविष्का के पिता रवि ने बताया कि वह बिजली कंपनी में प्रायवेट जॉब करते है। सुबह वह अपने काम पर चले गए थे। नविष्का कमरे में खेल रही थी।

रविवार सुबह करीब 10 बजे पत्नी ने किचन में दूध गर्म करके रखा और वह नहाने चली गई। इस दौरान नविष्का हॉल से खेलते-खेलते किचन में चली गई और वह किचन स्टैंड के सहारे खड़ी हो गई। उसका हाथ तपेली पर पड़ा और तपेली का गर्म दूध नविष्का पर गिर गया। हादसे में नविष्का का पेट और पैर काफी जल गए थे। हादसे के बाद पत्नी ने मुझे कॉल कर बुलाया

मैं घर पहुंचते ही नविष्का को एमवाय अस्पताल ले गया। यहां डॉक्टरों ने बताया कि वह 60 प्रतिशत जल चुकी है। ऐसे में उसे बचाना मुश्किल है। क्योंकि उसके अंग भी नाजुक हैं। इसके बाद डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू कर दिया। लेकिन रविवार रात 9 बजे नविष्का ने दम तोड़ दिया। रवि के मुताबिक उनकी एक दो माह की बेटी भी है। जो कमरे में सोई थी। उनके मुताबिक घर पर पति पत्नी ओर दोनो बच्चे रहते हैं। परिवार नजदीक रहता है। कुछ समय पहले ही रवि पत्नी और दोनों बच्चियों के साथ अलग घर लेकर रह रहे थे।

पकड़ा तो धक्का देकर भागा

महिला के सामने ही युवक ने चूड़ियां और कुछ रुपए रखकर भगवान के सामने चढ़ाए। वह कुछ समझ पाती। इतने में वह सोने की चूड़ियां ओर रुपये उठाकर भागने लगा। महिला ने उसे पकड़ा भी लेकिन यहां से आरोपी धक्का मारकर फरार हो गया। बाद में पीड़िता अपने परिवार के साथ थाने पहुंची। पुलिस आसपास के कैमरों के फुटेज से आरोपी की तलाश कर रही है।

बाइक सवारों ने महिला से चेन लूटी

इंदौर। बाइक सवार दो बदमाश महिला से सोने की चेन लूट कर फरार हो गए। तिलक नगर थाना पुलिस के मुताबिक, शर्मा एन्क्लेव निवासी रजनीश शर्मा बेटे ऋत्विक को लेकर घर आ रही थी। काले रंग की बाइक पर दो बदमाश आए और झपट्टा मारकर सोने की चेन झपट ली। पुलिस को लुटेरों के सीसीटीवी फुटेज मिले है। बाइक चला रहा बदमाश हेलमेट पहना हुआ था। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

डंपर ने ली युवक की जान, युवती गंभीर

इंदौर। नावदापंथ में एक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हुई है। गांधी नगर पुलिस के मुताबिक दोनों चंदन नगर इलाके के रहने वाले हैं। वह शराब पीने आए थे। इस दौरान हादसे का शिकार हो गए।

गांधी नगर पुलिस के मुताबिक राहुल पिता किशन सिंह (22) निवासी चांदमारी का भट्टा की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपनी दोस्त के साथ नावथा पंथ पार्टी मनाने गया था। यहां नावदापंथ ब्रिज के यहां दोनों को डंपर ने चपेट में ले लिया। इस हादसे में राहुल की मौके पर मौत हो गई। जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हुई है। जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक राहुल चाय की दुकान संचालित करता है। बताया जाता है कि दोनों शराब के नशे में थे। फिलहाल पुलिस ने टक्कर मारने वाले डंपर को जब्त कर लिया है।

प्रताड़ना से तंग आकर दी थी महिला ने जान

खुदकुशी में पति, सास-ससुर और उलझे

इंदौर। दो दिन पूर्व एक महिला ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। मामले में पुलिस ने उसके पति और सास-ससुर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है । शादी के बाद से ही आरोपी दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित कर रहे थे । मामला चंदननगर थाना क्षेत्र का है।

चंदन नगर थाना प्रभारी सुनील शर्मा के अनुसार मृतिका का नाम स्वाति शर्मा निवासी व्यास नगर है। स्वाति ने दो दिन पहले जहर खाकर अपनी जान दे दी थी। उसके परिजनों ने पुलिस को बताया कि पति हितेश शर्मा, सास पिंकी शर्मा और ससुर संतोष शर्मा लगातार उसे दहेज के लिए यातनाएं दे रहे थे। शादी के बाद से ही उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। जिसकी वजह से वह दुखी थी। इसी के चलते उसने जहर खा लिया था।

नशा कर गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई

इन्दौर। शनिवार की रात विजय नगर पुलिस ने नशा खोरी कर गाड़ियां चला रहे नशेड़ियों पर कार्रवाई की है ।

पब से निकले रईस जादों की गाड़ियों को सड़क किनारे लाइन से खड़ा करवाकर जांच पड़ताल की तो 8 लोग शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए मिले हैं, उन सभी के खिलाफ कार्रवाई की गई। टीआई रविंद्र गुर्जर के अनुसार पुलिस कमिश्नर मकरंद देउसकर के निर्देश पर लगातार नशे के खिलाफ कार्रवाई के चलते कल रात बारिश के दौरान पुलिस ने चैकिंग अभियान चलाया और पुलिस ने ऐसी गाड़ियों पर नजर रखी जो पब पहुंची थी। ऐसे वाहन चालकों को रोककर जांच पड़ताल की जो शराब पीकर गाड़ी चला रहे थे। ऐसे 8 लोग मिले हैं उनकी गाड़ियां जप्त की गई और ड्रंक एंड ड्राइव का केस बनाया गया है । जितने भी केस बने हैं वे सभी शहर के संभ्रांत परिवार के है।

महिला की चेन लूटी

इंदौर। पैदल जा रही महिला के साथ बाइक सवार बदमाशों ने वारदात को अंजाम देते हुए सोने की चेन लूट ली और भाग निकले। मामले में तिलक नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार श्रीजा पति रजनीश रामचंद्रन निवासी शर्मा एंक्लेव की शिकायत पर पुलिस द्वारा लूट का प्रकरण दर्ज कर लिया गया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे को स्कूल से छुट्टी होने पर पैदल अपने घर जा रही थी तभी काले रंग की मोटर साइकिल पर सवार दो बदमाश अचानक उसके पास आए और पीछे बैठे हुए व्यक्ति ने उसके गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन खींच ली। इसके बाद दोनों बदमाश वहां से भाग निकले, एक बदमाश हेलमेट पहने हुए था पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, जिससे बदमाशों की पकड़ सके।

Perfect Investment Opportunity

SATGURU NAGAR
INDORE- KHANDWA ROAD

PRICE STARTS AT
1111/- SQFT

CALL NOW
8889066688

At Indore- Khandwa Road Near
Choral Main road

लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन जीता

चीन के ली शी फैंग को हराया; 67 साल में केवल 2 इंडियन ये चैंपियनशिप जीते

लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन में मेंस सिंगल्स का खिताब जीत लिया है। लक्ष्य ने देर रात कैल्गरी में हुए फाइनल में ऑल इंग्लैंड चैम्पियन चीन के ली शी फैंग को हराया। कांटे की टक्कर में भारत के युवा शटलर को 21-18, 22-20 से जीत मिली। विमेंस सिंगल्स में जापान की अकाने यामागुची चैम्पियन बनीं। उन्होंने देर रात हुए फाइनल में थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन को 21-19, 21-16 से हराया। यामागुची ने सेमीफाइनल में भारत की पीवी सिंधु को हराया

कनाडा ओपन जीतने वाले दूसरे भारतीय

1957 से खेली जा रही कनाडा ओपन चैम्पियनशिप में मेंस सिंगल्स का खिताब जीतने वाले लक्ष्य दूसरे ही भारतीय बने। उनसे पहले 2016 में बी साई प्रणीत ने मेंस सिंगल्स का खिताब जीता था। 2016 में ही मेंस डबल्स में मनु अत्री और बी सुमित रेड्डी की जोड़ी ने भी खिताब जीता था। 2015 में विमेंस डबल्स में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने खिताब जीता था।

क्वार्टर फाइनल में करनी पड़ी थी मशक्कत

चीन के फैंग के खिलाफ लक्ष्य का फाइनल बेहद रोमांचक रहा। लक्ष्य ने लगातार अटैक करना जारी रखा और फाइनल 21-18, 22-20 के अंतर से जीत लिया। लक्ष्य सेन को चैम्पियनशिप में सबसे ज्यादा मेहनत क्वार्टर फाइनल में करनी पड़ी, जहां बेल्जियम के जूलियन करागी के खिलाफ 57 मिनट तक चले मुकाबले में उन्हें 3 गेम खेलने के बाद जीत मिली। लक्ष्य ने ये मुकाबला 21-8, 17-21 और 21-10 के अंतर से जीता था।

उन्होंने फर्स्ट और सेकेंड राउंड के मुकाबले 31 और 38 मिनट के अंदर 2 ही गेम में जीत लिए थे। सेन ने सेमीफाइनल में जापान केंता निशिमोटो को 21-17, 21-14 के अंतर से 44 मिनट में ही हरा दिया था।

करियर का चौथा सिंगल्स खिताब जीता

21 साल के लक्ष्य यूथ बैडमिंटन की बॉयज सिंगल्स कैटेगरी में एक गोल्ड, एक सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज जीत चुके हैं। सीनियर कैटेगरी में खेलना शुरू करने के बाद 2019 में उन्होंने डच ओपन का खिताब जीता। 2019 में ही लक्ष्य ने सारलॉरलक्स ओपन चैंपियनशिप भी जीता। 2022 से लक्ष्य का गोल्डन ईयर शुरू हुआ। यहां उन्होंने इंडिया ओपन जीता और भारत के लिए टीम चैम्पियनशिप में थॉमस कप और कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 2022 में ही लक्ष्य जर्मन ओपन और ऑल इंग्लैंड ओपन में रनर-अप रहे और 2023 में कनाडा ओपन जीतकर अपना चौथा मेंस सिंगल्स टाइटल जीत लिया।

2023 में लक्ष्य का पहला खिताब

कनाडा ओपन का खिताब इस साल लक्ष्य का पहला ही खिताब है। उनका यह इस साल का 11वां BWF कॉम्पिटिशन था। इससे पहले लक्ष्य सिर्फ थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में ही पहुंच सके थे, बाकी चैम्पियनशिप में उन्हें फर्स्ट, सेकेंड या थर्ड राउंड में ही हारकर बाहर होना पड़ा था।

वह इस साल इंडोनेशिया ओपन के राउंड ऑफ 16 में किदांबी श्रीकांत से हारे। सिंगापुर ओपन के फर्स्ट राउंड में चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन से हारे और थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में उन्हें थाईलैंड के ही कुन्लावुत वितिसार्न ने हराया।

इसी साल लक्ष्य को मलेशिया मास्टर्स के सेकेंड राउंड, स्विस ओपन के फर्स्ट राउंड, ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के सेकेंड राउंड, जर्मन ओपन के फर्स्ट राउंड, इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल, इंडिया ओपन के सेकेंड राउंड और मलेशिया ओपन के फर्स्ट राउंड में भी हार का सामना करना पड़ा।

जवान ट्रेलर देखकर पक्का हो गया, इसमें पठान से भी भीषण ऐक्शन होगा

शाहरूख खान की फ़िल्म जवान के ट्रेलर का इंतज़ार एसआरके फैन्स समेत पूरा देश कर रहा था. इसे 10 जुलाई सुबह 10:30 बजे रिलीज किया गया । तभी से सोशल मीडिया पर हल्ला कटा हुआ है. फिल्म का चहुओर शोर है. ट्रेलर खुलता है भयंकर केओस से. इसमें शाहरुख की आवाज़ आती है, वो कहते हैं।

शाहरुख खान की मचअवेटेड फिल्म 'जवान' का प्रिव्यू रिलीज हो चुका है। इस प्रिव्यू में शाहरुख पहली बार बाल्ड (गंजे) लुक में नजर आ रहे हैं। फिल्म में वे डबल रोल में नजर आएंगे। जहां एक **आईपीएस**ऑफिसर, तो दूसरा रोल **विलेन** का है। इस प्रिव्यू को एक घंटे में 28 लाख यूजर्स ने देखा।

शाहरुख, विजय सेतुपति, नयनतारा और सान्या मल्होत्रा स्टारर यह फिल्म 7 सितंबर को रिलीज होगी।

अपनी कहानी सुना रहे हैं शाहरुख

प्रिव्यू की शुरुआत एक ऐसे कबीले से होती है जहां खून-खराबा मचा हुआ है। इसके बाद शाहरुख का वॉइस ओवर सुनाई देता है जिसमें वो अपनी कहानी सुना रहे होते हैं। प्रिव्यू में वो कहीं आईपीएस , तो कहीं विलेन के रोल में दिख रहे हैं।

दीपिका ने पानी में दी पटखनी

बात करें दूसरे कलाकारों की तो नयनतारा भी इसमें पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आ रही हैं। वहीं दीपिका पादुकोण एक सीन में शाहरुख के साथ कुश्ती लड़ती दिखीं। विजय सेतुपति भी एक सीन में नजर आए। उनका कैरेक्टर सीक्रेट रखा गया है।

जवान की गैंग मेंबर हैं सान्या और प्रियामणी

सान्या मल्होत्रा, प्रियामणी, रिद्धी डोगरा, संजीता भट्टाचार्य भी इस प्रिव्यू में नजर आ रही हैं। ये सभी एक्शन अवतार में शाहरुख की गैंग का हिस्सा बनी नजर आ रही हैं।

प्रिव्यू के अंत में बाल्ड लुक में दिखे शाहरुख

प्रिव्यू के अंत में शाहरुख जब अपने चेहरे से पट्टी उतारते हैं तो वो बाल्ड लुक में नजर आते हैं। वो कहते हैं कि जब मैं विलेन बनता हूं तो कोई भी हीरो मेरे सामने टिक नहीं पाता। इस सीन में उन्होंने ट्रेन को हाईजैक किया हुआ है।

एक घंटे में 28 लाख यूजर्स ने देखा प्रिव्यू

इस प्रिव्यू को सोशल मीडिया पर जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। लोगों का मानना है कि शाहरुख इस फिल्म से अपनी पिछली फिल्म 'पठान' का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही शाहरुख और जवान ट्रेंडिंग लिस्ट में टॉप पर हैं। इंस्टाग्राम पर इसके प्रिव्यू को एक घंटे में 28 लाख यूजर्स ने देखा।

महिलाओं को लघु उद्योगों से जोड़कर लखपति बनाएंगे- मुख्यमंत्री

धार के मोहनखेड़ा तीर्थ पर लाड़ली बहना सेना सम्मेलन का हुआ आयोजन, मुख्यमंत्री ने राजगढ़ में किया रोड शो

राजगढ़ (धार)। लोगों के मन में धारणा थी कि बेटा कुल का दीपक होता है, बुढ़ापे का सहारा होता है। बेटियों को बोझ समझा जाता था, लेकिन हमने बेटियों के जन्म से लेकर शिक्षा एवं विवाह तक की व्यवस्था कर दी।

उक्त बातें सोमवार को मोहनखेड़ा में आयोजित लाड़ली बहना सेना सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कही।

उन्होंने कहा कि आज लाड़ली बहना योजना की दूसरी किस्त डाल दी है। यह राशि धीरे-धीरे एक हजार से तीन हजार रुपये की जाएगी। इसराजगढ़ (धार)। नईदुनिया न्यूज। लोगों के मन में धारणा थी कि बेटा कुल का दीपक होता है, बुढ़ापे का सहारा होता है। बेटियों को बोझ समझा जाता था, लेकिन हमने बेटियों के जन्म से लेकर शिक्षा एवं विवाह तक की व्यवस्था कर दी।

लाड़ली बहना सेना से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि लाड़ली बहना सेना महिलाओं के जीवन में खुशहाली लाने का काम करेगी। उपस्थित महिलाओं को उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाई।

वे इंदौर में कार्यक्रम के बाद हेलीकाप्टर से करीब चार बजे मोहनखेड़ा स्थित हेलीपेड पर पहुंचे थे। यहां उद्योग मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी, वेलसिंह भूरिया, संजय बघेल, नवीन बनिया, विधायक नीना वर्मा ने अगवानी की।

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री चौहान ने मोहनखेड़ा स्थित गुरु मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद मोहनखेड़ा गेट से रोड शो प्रारंभ हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर लोगों की भीड़ नजर आई। जगह-जगह स्वागत मंच लगाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। इस दौरान रथ में सवार मुख्यमंत्री नगरवासियों का अभिवादन स्वीकारते नजर आए। रोड शो नगर से होता हुआ माही नदी पहुंचा, जहां माही नदी का पूजन करने के बाद फूलगांवड़ी होते हुए धार एवं घाटाबिल्लौद की ओर रवाना हुआ। राशि से महिलाओं के जीवन में रोशनी आएगी। आगामी दिनों में प्रदेश में स्वसहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को लघु उद्योगों से जोड़ा जाएगा, ताकि हर महिलाएं लखपति बन सके। जल्द ही धार में मेडिकल कालेज का भूमिपूजन किया जाएगा। मेडिकल कालेज में पढ़ने वाली बेटियों की फीस सरकार भरेगी।

कम होगा इंदौर-भोपाल वंदे भारत का किराया, इसी माह घोषणा संभव

इंदौर। रेल मंत्रालय ने वंदे भारत ट्रेन में यात्रियों की कम संख्या को देखते हुए, इसके किराए में 25 प्रतिशत तक की छूट देने की घोषणा की है। इसका फायदा इंदौर-भोपाल वंदे भारत ट्रेन को भी मिलेगा। ट्रेन की शुरुआत से ही ट्रेन को पर्याप्त यात्री नहीं मिल पा रहे हैं। वंदे भारत ट्रेन में दोनों तरफ से सौ से सवा सौ यात्री ही सफर कर रहे हैं, जबकि इसकी क्षमता साढ़े पांच सौ यात्रियों की हैं।

इसका किराया कम होने से यात्रियों की संख्या दोनों तरफ से बढ़ेगी। हालांकि रेल मंत्रालय ने किराये में छूट देने के आदेश तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन पश्चिम रेलवे अभी किराए की कटौती पर मंथन कर रहा है। 28 जुलाई को ट्रेन को एक माह पूरा होने पर 20 से 25 प्रतिशत किराये में कमी की जा सकती हैं।

वंदे भारत ट्रेनो में पर्याप्त यात्री मिल सके इसके लिए रेल मंत्रालय ने ट्रेनों का किराया कम करने के निर्देश दिए हैं। इंदौर-भोपाल वंदे भारत ट्रेन का किराया मंगलवार तक कम नहीं हुआ। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट पर सोमवार रात तक मंगलवार को जाने वाली वंदे भारत में इंदौर से भोपाल एसी चेयरकार का किराया 810 और एक्जीक्यूटिव चेयरकार का किराया 1510 रुपये दर्शाया जा रहा था।

23 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट; दो दिन पूरा प्रदेश भीगेगा

मध्यप्रदेश में अगले दो दिन तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। राजधानी भोपाल में सुबह से बौछार गिर रही है। मंगलवार को श्योपुर में अति भारी बारिश का अलर्ट है। ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के 23 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। यहां 2.5 इंच से ज्यादा पानी गिरने का अनुमान है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि प्रदेश में दो दिन बारिश की एक्टिविटी ज्यादा रहेगी। भोपाल में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। मंगलवार को इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, सागर संभाग के जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। नॉर्थ ईस्ट राजस्थान के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। यह उत्तरी मध्यप्रदेश से होकर पूर्व की ओर बढ़ेगा। ट्रफ लाइन एक्टिव होगी। इस कारण प्रदेश में बारिश होगी।

स्कूल में 10वीं के स्टूडेंट की हार्ट अटैक से मौत प्रेयर के समय बेहोश होकर गिरा; परिवार ने नेत्रदान किया

छतरपुर के महर्षि विद्या मंदिर स्कूल में 10वीं कक्षा के छात्र को अचानक हार्ट अटैक आ गया। स्कूल में प्रार्थना के दौरान वह बेहोश होकर गिर गया। उसे सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) दिया गया। होश नहीं आने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने चेक कर उसे मृत बता दिया।

जानकारी के अनुसार छात्र सार्थक टिकरिया (17) था। रोजाना की तरह सोमवार को भी सुबह 6 बजे उठा। तैयार होकर स्कूल चला गया। स्कूल में करीब साढ़े सात बजे जब सभी बच्चे प्रार्थना के लिए लाइन में खड़े थे। वह अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। स्कूल स्टाफ ने उसे सीपीआर देने का प्रयास किया और परिजन को सूचना दी। जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ.अरविंद सिंह ने मौत की पुष्टि करते हुए परिवार को बताया कि बच्चे को कार्डियक अरेस्ट आया है। परिवार ने बेटे का नेत्रदान किया है।

अंदर के धर्म जागृत होते ही आप धार्मिक हो जाएंगे

हम लोग यही सोचते हैं कि अगर माताजी के आत्म साक्षात्कार की तरफ हम मुड़े तो भाई फिर क्या होगा हम सन्यासी हो जाएंगे सहज योग तो सन्यास के महाविरोध में है महा विरोध अगर कोई सन्यासी आ जाए तो हम उसे कहते हैं कि जाकर कपड़े बदल कर आओ सहयोग सामान्य लोगों के लिए जो बस्ती में रहते हैं उनके लिए है गृहस्थी बड़ा भारी महायज्ञ है उस महायज्ञ में जो गुजरा है वही सहयोग में आता है सन्यासियों में हमारा विश्वास बिल्कुल नहीं है क्योंकि यह कपड़े पहन कर के आप किसको जता रहे हैं जो सन्यासी होता है वह तो है ही सन्यासी अंदर से वह क्या ब्रह्मा में अपने ऊपर में कुछ नाम पर साइन बोर्ड लगा कर घूमता है कि मैं सन्यासी हूं यह झूठ है नेट पर लगाने की क्या जरूरत है और गलतफहमी में अपने को रखना अपने ही को आप की ट्रेन धोखा कर रहे हैं तो दूसरों को करेंगे ही जिसने अपने ही को धोखा दिया है वह दूसरों को भी धोखा दे ही देगा तो इस प्रकार के भी विचार के कुछ लोग होते हैं कि जो अपने शरीर को दुख देना और दुनिया भर के दुख सहना और परेशानी उठाना इसका बड़ा अच्छा उदाहरण है यहूदी लोग अपने यहां भी ऐसे बहुत सारे हैं जो उपवास तपास और दुनिया भर की बातें करके शिवाय बीमारी के और कुछ नहीं उठाते पर यहूदी लोगों ने यह कहा कि हम ईसा मसीह को नहीं मानते हैं क्योंकि वह कहता है कि मैं तुम्हारे सारे पापों को खींच लूंगा अपने अंदर और सही बात है जब उनकी जागृति हो जाती है हमारे आज्ञा चक्र पर तो वह खींच लेते हैं इसलिए यहूदी लोग उनको नहीं मान सकते और चाहे कोई माने तो माने और इसलिए उन्होंने कहा कि हम तो यह विश्वास करते हैं कि मनुष्य खूब सफर कष्ट सहन करना चाहिए खूब सफरिंग कष्ट भोगना होना चाहिए वह इतना दुख उठाए दुख उठाने से ही परमात्मा मिलता है यह उनका अपना विचार था यानी यहां तक कि कोई संत है उसको कोई दुख दे रहा है तो वह कहते हैं कि ठीक ही है तुमको परमात्मा अच्छे से मिल जाएगा जितना दुख हो जेलो जैसे ज्ञानेश्वर जी को हमने काफी सताया रामदास स्वामी को हमने कभी माना ही नहीं कभी माना ही तुकाराम की तो हालत ही खराब कर दी और भी जितने भी नानक साहब हैं कबीर दास हैं सब को परेशान किया और यही कहकर कि तुम तो संत हो तुम तो गुस्सा ही नहीं हो सकते हम संत नहीं हैं मां ने यहां की जैसे सारे गुस्से का ठेका हमने ले रखा है और सारा सहने का ठेका आप ने ले रखा है और ऐसे जो यहूदी लोग थे देखिए उन पर कितनी बड़ी आफत आ गई भगवान ने एक हिटलर भेज दिया उनके लिए जाओ इनको सफर करना है करने दो अब वहां उल्टे बैठ गए हैं वह सब दुनिया को सफर कराएंगे तो इस तरह की कल्पनाएं अगर दिमाग में हो तो भी मनुष्य कभी भी सुख नहीं पा सकता इस तरह की बड़ी ही ज्यादा तीव्र भावनाएं किसी के प्रति कभी भी नहीं बनानी चाहिए क्योंकि सभी परमात्मा की संतान हैं किसी से भी देश बनाना नहीं चाहिए कोई भी आप प्रश्न उठाइए जैसे कि कोई कहेगा कि आज हिंदू धर्म जो है यह बड़ी विपत्ति में पड़ा है मैं तो कहती हूं कि कभी विपत्ति में पड़ ही नहीं सकता अगर वह धर्म है तो उसको कोई हाथ भी नहीं लगा सकता अगर वह धर्म है तो पर वह राजनीति नहीं है वह धर्म है और धर्म को कोई छू नहीं सकता क्योंकि धर्म शाश्वत है धर्म को कौन छू सकता है आनी जानी और मरना जीना तो चलता रहता है लेकिन धर्म नष्ट नहीं हो सकता अगर आप ही धर्म चुप हो जाए तो धर्म नष्ट हो जाएगा और नहीं तो आपका आपका धर्म कोई नहीं तोड़ सकता किसी की मजाल नहीं कि आपका धर्म तोड़े पर धर्म को पहले अपने अंदर जागृत करना चाहिए आप के 10 धर्म हैं यह धर्म जब आपके अंदर जागृत हो जाएंगे तो जो धर्म आप नष्ट कर रहे हैं रोज रोज किसी न किसी वजह से क्योंकि आपकी बहुत सारी इच्छाएं हैं आप में लाल साए हैं वासन आए हैं बहुत सी आदतें पड़ गई हैं इसकी वजह से जो आपके अंदर का धर्म रोज नष्ट हो रहा है वह जागृत होते ही आप धार्मिक हो जाएंगे क्योंकि आप दूसरा काम कर ही नहीं सकते जैसे मैं कभी भी नहीं कहती आप शराब मत पियो मैं नहीं कहती हूं क्योंकि कहने से आधे लोग उठ जाएंगे फायदा क्या मैं कहती हूं अच्छा पार हो जाओ मां के तरीके उल्टे होते हैं ना चल भाई पहले पार हो जाओ फिर मैं कहूंगी अच्छा अब पी कर देखो शराब पी नहीं सकते उल्टी हो जाएगी उल्टी हो जाएगी धर्म अब जागृत हो गया आपके अंदर तो वहां फेंक देगा आपकी शराब को आपकी ही नहीं सकते धर्म इस तरह इतने जोर से आपके अंदर जागृत हो जाता है कि फिर पाप और पुण्य जो है जैसे निर्वांचित विवेक हो जाता है उस तरह से अलग अलग हो जाता है और आप जान जाते हैं कि यह मेरे लिए रास नहीं आएगा यह मेरे माफी नहीं आने वाला यह मुझे सूट ही नहीं कर सकता इसकी एलर्जी है मुझको आप एलर्जी हो जाते हैं क्योंकि आपके अंदर आपका जो परम गुरु आत्मा है शिव स्वरूप आत्मा जागृत होकर के वही आपको समझा देता है कि भाई देखो यह चीज चलने वाली नहीं है अब हमसे क्योंकि आप अब आत्मा हो गए इसलिए अब आत्मा बोलेगा और बाकी जो चीज हैं गौण हो जाती है और मुख्य हो जाता है आत्मा

जय श्री माताजी

घर-घर दस्तक अभियान

ऐसे जांचेंगे 3.5 लाख बच्चों की सेहत; ना बैठक ना प्रशिक्षण, दवा भी स्टॉक में नहीं

इंदौर समेत प्रदेशभर में 18 जुलाई से 31 अगस्त तक घर-घर दस्तक अभियान चलेगा। पांच साल तक के बच्चों की सेहत जांची जाएगी। स्वास्थ्य महकमा इस अभियान को लेकर कितना संजीदा है, इसका खुलासा खुद विभाग की रिव्यू रिपोर्ट कर रही है। रिपोर्ट की मानें तो अब तक इसकी तैयारियां ही शुरू नहीं हो पाई हैं, जबकि अभियान शुरू होने में महज 9 दिन बचे हैं।

हाल ही में विभाग के आला अफसरों ने इसका रिव्यू किया था। पता चला है कि जिले के साढ़े तीन लाख बच्चों की जांच करने के लिए जिन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और स्टाफ को ट्रेनिंग दी जानी है, वो भी नहीं हो पाई। कई मामलों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को एनीमिया प्रबंधन की पर्याप्त जानकारी तक नहीं थी। अफसरों ने कार्यकताओं से पूछा तो 53% ही 1 से 3 साल तक के बच्चों के एनीमिया प्रबंधन के बारे में बता पाए। वहीं, 52% को 3 से 5 साल तक के बच्चों के एनीमिया प्रबंधन की जानकारी थी। दवाइयों की उपलब्धता की बात करें तो आईएफए यानी आयरन फोलिक सायरप सिर्फ 23%, विटामिन-ए 79% और एमोक्सीसिलिन 63% ही उपलब्ध है। स्थिति यह है कि अभी तक 250 से ज्यादा निजी अस्पतालों और करीब पांच हजार डॉक्टरों से कोई मीटिंग नहीं की जा सकी है। ब्लॉकों में दस्तक पोस्टर भी नहीं भेजे जा सके हैं। सीएचओ, एमपीडब्ल्यू व अन्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं, लेकिन ये कब पूरे होंगे कोई नहीं बता रहा। जिम्मेदार बोले- हफ्तेभर में सब ठीक कर लेंगे

इंदौर मेट्रो के लिए 20अगस्त तक पटरी बिछाने का टारगेट-सितंबर में ट्रायल रन की तैयारी, 3 हजार का स्टाफ मैदान में उतारा

इन्दौर(अशोक सैनी) । सितंबर महीने में हर हाल में प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो का ट्रायल रन इंदौर में होना है और इसमें अब बहुत कम समय बचा है, ऐसे में पटरी बिछाने में तेजी लाने की कोशिश है। अब 20 अगस्त तक पटरी बिछाने के काम को पूरा करने का टारगेट रखा है। इसके लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि तय समय सीमा में काम पूरा हो सके। अभी तक 3 किमी वायाडक्ट और 1 किमी डिपो में पटरी बिछाई जा चुकी है। 3 हजार श्रमिक दिन-रात मेट्रो के काम में लगे हैं।

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने समीक्षा बैठक कर अधिकारियों से ट्रायल रन को लेकर अब तक के काम की जानकारी ली। मेट्रो का काम दिन-रात चल रहा है। उन्होंने इंदौर मेट्रो में वायाडक्ट पर प्लिन्थ बीम के काम को दिन में बिना वजह बंद रखने को लेकर जनरल कंसलटेंट के परियोजना निदेशक साइमन फोरी तथा उप परियोजना निदेशक इंदौर जनरल कंसलटेंट परशुराम व महाप्रबंधक इंदौर मेट्रो रेल पर नाराजगी जताई।

वहीं ट्रैक कांट्रेक्टर को फोन से निर्देशित किया कि बारिश में कार्य रुकने नहीं चाहिए उसके लिए covershed / tinshed का अस्थाई इंतजाम करें, जिससे पटरी वेल्डिंग का कार्य रूके नहीं।

इंदौर में अब तक लगभग 2105 मीट्रिक टन पटरी प्राप्त हो चुकी है और लगभग 3 किमी वायाडक्ट व 1 किमी डिपो में पटरी बिछाई जा चुकी है। इस पर अधिकारियों को पटरी के कार्य में तेजी लाने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के लिए कहा है।

उन्होंने दो दिन में श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर 20 अगस्त तक पटरी का काम पूरा करने के निर्देश दिए। फिलहाल 3 हजार श्रमिक काम कर रहे है। इनकी संख्या को अब बढ़ाया जाएगा। अधिकारियों को सिंह ने साफ किया कि ट्रायल रन की डेट में कोई परिवर्तन नहीं होगा। इसके पहले सभी काम पूरे हो जाने चाहिए। वे दस दिन बाद फिर समीक्षा बैठक करेंगे और निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति पर

बारिश में इंदौर के चोरल-पातालपानी-जानापाव में उमड़े सैलानी,जाम गेट, मांडू भी पहुंचे इंदौरी

इन्दौर । हाल ही में हुई बारिश के पास इंदौर के पास स्थित पर्यटन स्थलों पर हरियाली छाने वातावरण काफी खुशनुमा हो गया है। लोग यहां अब लुत्फ उठाने आने लगे हैं। रविवार को मौसम साफ होने से पातालपानी, जाम गेट, चोरल डेम, जानापाव आदि पर्यटन स्थलों पर लोग पहुंचे और छुट्टी का लुत्फ लिया। खतरे के चलते मेहंदी कुंड और बामनिया कुंड में किसी को भी जाने नहीं दिया गया। यहां बैरियर लगाकर पुलिस और वन विभाग के कर्मचारियो ने पर्यटकों को लौटा दिया। दरअसल इन दोनों पर्यटन स्थल जंगल में आते हैं और इन दिनों यहां पर वन्य जीवों का लगातार मूवमेंट है।

सबसे ज्यादा भीड़ पातालपानी में नजर आई। यहां सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ का बल भी तैनात था। साथ ही पुलिस द्वारा यहां पर फ्लेक्स पर नोटिस भी लगाए हैं। बडगोंदा थाना प्रभारी कैलाश सोलंकी के अनुसार पर्यटकों को के लिए थाना क्षेत्र में आने वाले सभी पर्यटन स्थलों पर सावधानी के बोर्ड लगाए हैं ताकि किसी प्रकार का हादसा न हो। पुलिस टीम हर पर्यटन स्थल पर तैनात है। लोगों को खतरे वाले स्थान पर जानेनहीं दिया जा रहा है। पिकनिक मनाने आई सरिता व नमीषा खण्डेवाल ने बताया कि बारिश के बाद मौसम का काफी सुहावना हो गया है जिससे पूरे परिवार को काफी आनंद आया। चोरल डेम पर भी काफी संख्या में पर्यटक पहुंचे और बोटिंग का लुफ्त भी उठाया। जाम गेट और जानापाव में भी बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ नजर आई। यहां हरी-भरी वादियों के बीच अचानक से बादल आ जाते हैं जो यहां आने वाले लोगों का मन मोह लेते हैं। दूसरी ओर पर्यटक स्थलों पर भीड़ होने के कारण महू इंदौर रोड पर लम्बा जाम लग गय। इस दौरान काफी देर तक वाहन चालक जाम में फंसे रहे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)

इसलिए भगवान शिव को नहीं चढ़ाया जाता केतकी का फूल, मिला था श्राप

महादेव की पूजा में शिव भक्त भांग धतूरा समेत कई चीजें अर्पित करते हैं। लेकिन एक फूल ऐसा है, जिसको भगवान शिव को अर्पित नहीं किया जाता और वह है केतकी का फूल, शिव पुराण में एक कथा मिलती है, कि किस तरह महादेव ने केतकी को अपनी पूजा से वर्जित कर दिया और शाप दिया। आइए जानते हैं केतकी के फूल और भगवान शिव की इस कथा के बारे में...

सावन मास में शिव भक्त भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए कई तरह से पूजा अर्चना करते हैं और गुलाब, चंपा, कमल समेत कई फूलों को अर्पित करते हैं। लेकिन एक फूल ऐसा है, जिसको भगवान शिव को अर्पित नहीं किया जाता और वह फूल है केतकी का फूल। शास्त्रों में भगवान शिव की पूजा अर्चना में केतकी का फूल निषेध बताया गया है। केतकी का फूल शिवलिंग पर चढ़ाने की मनाही क्यों है, इसकी वजह एक शाप है। आइए जानते हैं केतकी का फूल भगवान शिव को क्यों नहीं चढ़ाया जाता और केतकी को कौन सा शाप मिला है...

केतकी के फूल को लेकर पौराणिक कथा

भगवान शिव को केतकी का फूल अर्पित नहीं किया जाता, इसको लेकर एक शिव पुराण में एक पौराणिक कथा है। शिव पुराण के अनुसार, एक बार ब्रह्मदेव और विष्णु देव के बीच विवाद हो गया कि कौन सर्वश्रेष्ठ है। विवाद इतना बढ़ गया कि इसका हल न निकलते देख भगवान शिव को बीच में आना पड़ा। तब भगवान शिव ने एक ज्योतिर्लिंग की उत्पत्ति की और कहा कि जो कोई भी इस ज्योतिर्लिंग का आदि और अंत खोज लेगा, वह ही श्रेष्ठ कहलाएगा।

ज्योतिर्लिंग के आदि और अंत के खोज की हुई

ऐसे में ज्योतिर्लिंग के ऊपर की दिशा में भगवान विष्णु बढ़ने लगे और ब्रह्मदेव ज्योतिर्लिंग की शुरुआत खोजने के लिए नीचे की तरफ जाने लगे। शिवलिंग का आदि और अंत खोजने के लिए ब्रह्मदेव और विष्णु देव ने लाख कोशिश की। लाख खोजने के बाद जब भगवान विष्णु को ज्योतिर्लिंग का अंत नहीं मिला तो उन्होंने अपनी यात्रा रोक दी और महादेव के सामने स्वीकार किया की, वह ज्योतिर्लिंग का अंत नहीं खोज सके।

ब्रह्मदेव ने महादेव से बोला झूठ

ब्रह्माजी भी ज्योतिर्लिंग की शुरुआत खोजते खोजते थक गए तब उनको रास्ते में केतकी का फूल मिला। ब्रह्माजी ने केतकी के फूल को बहला फुसलाकर भगवान शिव के सामने झूठ बोलने के लिए तैयार कर लिया। इसके बाद केतकी का फूल और ब्रह्माजी भगवान शिव के सामने पहुंचे। ब्रह्माजी ने भगवान शिव से कहा कि उन्हें ज्योतिर्लिंग की शुरुआत मिल गई है और केतकी के फूल से भी झूठी गवाही दिलवा दी।

केतकी के फूल को मिला महादेव से शाप

भगवान शिव को पता था कि ब्रह्मदेव झूठ बोल रहे हैं। इससे भगवान शिव क्रोधित हो गए और ब्रह्माजी का पांचवां सिर काट दिया। तब से ब्रह्मदेव पंचमुख से चार मुख के हो गए। वहीं केतकी के फूल को शाप दिया कि आज से मेरी पूजा से तुमको वर्जित किया जाता है। तब से लेकर आज तक महादेव की पूजा में केतकी का फूल अर्पित नहीं किया जाता। भगवान शिव की पूजा में केतकी का फूल चढ़ाना पाप के समान माना गया है। इसलिए हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि सावन या कभी भी महादेव की पूजा जब भी कर रहे हों, तब केतकी का फूल अर्पित ना करें।

क्या आप अचानक बेहोश हुए हैं? इसे BP Low न समझें, दिल की 3 जानलेवा बीमारियों का है इशारा

अगर आप या आपका कोई जानने वाला अचानक बेहोश हुआ है, तो आपको तुरंत दिल के डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह किसी खतरनाक दिल के रोग का संकेत हो सकता है। सिंकोप जिसे सामान्य भाषा में बेहोशी भी कहते हैं एक बहुत आम समस्या है। वैसे तो बेहोशी किसी को भी आ सकती है, और आम तौर से इसका कोई नुकसान भी नहीं होता है। बेहोशी का सबसे आम कारण ब्लड प्रेशर कम हो जाना या दिमाग में खून की आपूर्ति कम हो जाना है। लेकिन कभी-कभी बेहोशी किसी गंभीर समस्या का भी संकेत हो सकती है। हालांकि, कुछ मामलो में ये समस्या खतरनाक और भयावह रूप भी ले सकती है जिसका संबंध दिल की समस्या से भी हो सकता है।

बेहोशी क्या है?

डॉक्टर्स के अनुसार, सिंकोपी अचानक से होने वाली स्थिति है जिसमे व्यक्ति लड़खड़ाने लगता है और बेहोश हो जाता है, और जैसे ही उसे होश वापस आता है, वह ठीक हो जाता है। यह समस्या अररिथमिया के भी संकेत हो सकते है, जिसमे हृदय असामान्य रूप से धड़कने लगता है। यदि इसे नजरंदाज किया जाए, तो इसके गंभीर परिणाम निकल सकते हैं और व्यक्ति को अचानक स्ट्रोक या कार्डियेक अरेस्ट पड़ सकता है।

बेहोशी दिल के लिए क्यों है खतरनाक

बेहोशी अलग-अलग व्यक्तियों को अलग-अलग कारणों से हो सकती है। लेकिन यदि बार-बार ऐसा होता है, तो यह दिल या ब्लड वेसल की समस्या का संकेत हो सकता है। यह एक बड़ी गलतफहमी यह भी है की सिंकोपी केवल न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के कारण होती है। इसके कारण बहुत कम मरीज ही प्राथमिक चरण में कार्डियोलॉजिस्ट के पास पहुँच पाते हैं। कार्डियेक सिंकोप अक्सर अचानक होती है, और मरीज को चक्कर आने या बेहोशी का कोई भी पूर्व लक्षण महसूस नहीं होता है। इसलिए इस समस्या का कारण जानने के लिए उचित निदान कराया जाना बहुत जरूरी है।

बेहोशी के मुख्य कारण

अरिथमिया- बेहोशी अरिथमिया के शुरुआती लक्षणों में से एक है, जिसमें शरीर के दूसरे हिस्सों को खून की आपूर्ति असामान्य हो जाती है। कई मामलों में यह कोई नुकसान नहीं पहुँचाता है, लेकिन यदि इसे समय पर न पहचाना जाए या इसका इलाज न कराया जाए, तो उसके परिणाम जानलेवा भी हो सकता है।

आयोर्टिक डिसेक्शन- यह स्थिति बहुत तब होती है जब दिल से शरीर के दूसरे हिस्सों को खून पहुँचाने वाली बड़ी आर्टरी फट जाती है। इसके शुरुआती लक्षणों में बेहोशी भी शामिल है।

आयोर्टिक वॉल्व स्टेनोसिस- इस स्थिति में हृदय और आयोर्टा के बीच का वॉल्व संकरा हो जाता है। यह जन्म के समय या वृद्धावस्था में हुआ करता है।

बड़ी चोटें- बेहोशी आने पर गिरकर गंभीर चोट लगने की संभावना होती है। यह चोट अगर सिर में या हड्डी में लगे तो स्थिति खतरनाक हो सकती है।

बेहोशी के चेतावनी के संकेत

1. तेजी से दिल धड़कना
2. मितली आना
3. आँखों के आगे अंधेरा छाना
4. सिर घूमना
5. अचानक गिर पड़ना
6. चक्कर आना
7. कमजोरी
8. अस्थिर महसूस करना
9. दृष्टि में परिवर्तन
10. सिरदर्दत्वचा का फीका
11. पड़नाघबराहट

बेहोशी को कैसे कंट्रोल करें

1. बेहोश होने का रिकॉर्ड रखें और इसके कारणों को जानने का प्रयास करें। बेहोशी की किसी भी घटना के जानलेवा परिणाम हो सकते हैं, इसलिए इन्हें नजरंदाज नहीं करना चाहिए।
2. यदि सिंकोप का कोई भी पूर्व लक्षण जैसे चक्कर, मितली, अत्यधिक कमजोरी, थकान, या दृष्टि में परिवर्तन महसूस हो, तो विशेष की राय लें।
3. अचानक बेहोश हो जाने पर फौरन बैठ जाएं या लेट जाएं ताकि चोट न लगे। इससे दिमाग में खून का सर्कुलेशन भी बढ़ जाएगा।
4. सिंकोप जीवनशैली में परिवर्तन, दवाईयों, और इलाज द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए स्वस्थ आहार लेना, स्वस्थ वजन बनाए रखना, पूरी नींद लेना, और नियमित तौर से व्यायाम करना बहुत जरूरी है।
5. यदि आँखों के सामने अंधेरा ब्लड प्रेशर नियंत्रण के असामान्य न्यूरोलॉजिकल रैगुलेशन के कारण हो रहा है, तो व्यक्ति को सामान्य घरेलू उपायों, जैसे नमक का सेवन बढ़ाने, भरपूर पानी पीने, और अन्य सुरक्षा सावधानियाँ बरतने की जरूरत है।
6. यदि सिंकोपी दिल की धड़कन बहुत मंद हो जाने (ब्रैडीकार्डिया) के कारण होती है, तो उसका मानक इलाज एक पेसमेकर लगाकर किया जाता है। पेसमेकर एक छोटा सा उपकरण होता है, जो हृदय को शक्तिशाली इलेक्ट्रिकल सिग्नल भेजकर अनियमित हृदय स्पंदनों को नियंत्रित करता है।